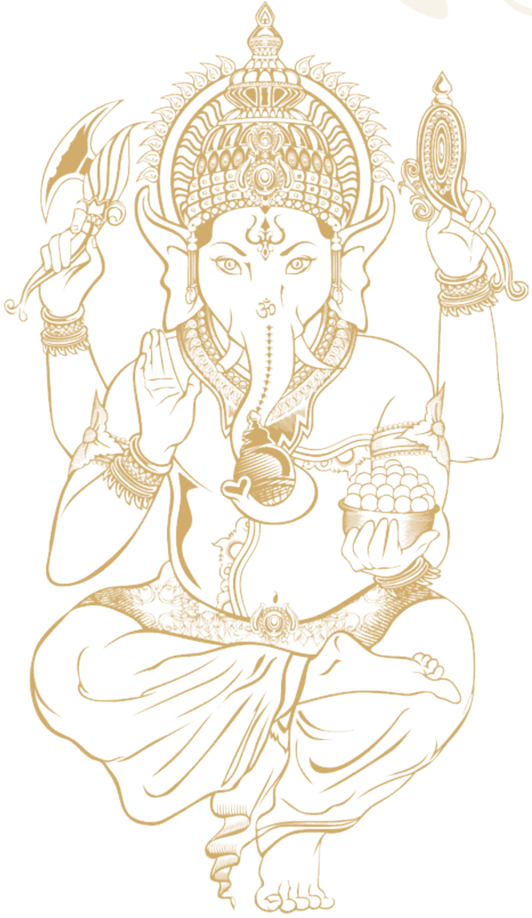

20 Jul 1957

04:25 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121283303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/07/1957**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:25:00 घंटे**
इष्ट	57:04:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:09 घंटे
साम्पातिक काल	23:53:43 घंटे
सूर्योदय	05:35:03 घंटे
सूर्यास्त	19:19:21 घंटे
दिनमान	13:44:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:41:44 कर्क
लग्न के अंश	17:37:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:37:04	317:23:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	03:41:44	00:57:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	02:06:36	12:12:57	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	24:34:46	00:37:44	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			कर्क	20:13:36	01:47:01	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	03:43:11	00:09:07	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	29:14:40	01:12:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	14:49:57	00:02:08	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	23:36:12	00:00:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:36:12	00:00:11	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	13:21:28	00:03:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
नेप			तुला	06:34:31	00:00:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो			सिंह	05:47:09	00:01:43	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			मीन	05:01:10	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:16:04

लग्न-चलित

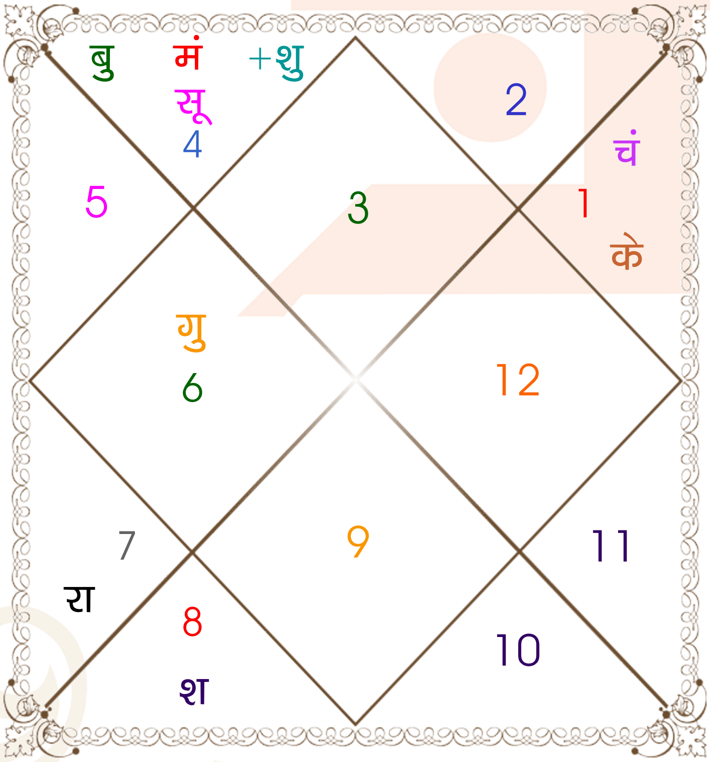

चन्द्र कुंडली

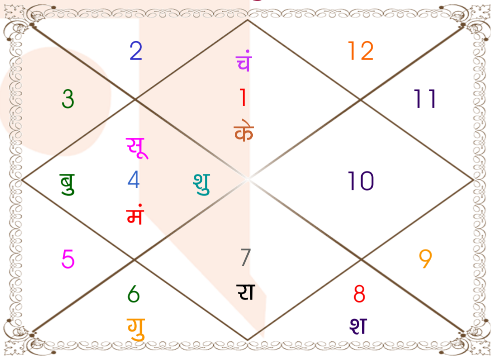

नवमांश कुंडली

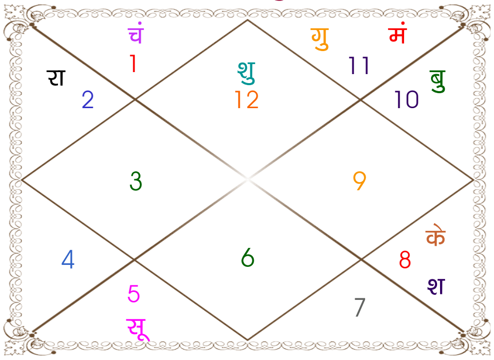

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
20/07/1957	**11/06/1963**	**11/06/1983**	**10/06/1989**	**11/06/1999**
11/06/1963	**11/06/1983**	**10/06/1989**	**11/06/1999**	**11/06/2006**
20/07/1957	शुक्र 10/10/1966	सूर्य 28/09/1983	चंद्र 11/04/1990	मंगल 07/11/1999
शुक्र 06/01/1958	सूर्य 11/10/1967	चंद्र 29/03/1984	मंगल 10/11/1990	राहु 24/11/2000
सूर्य 14/05/1958	चंद्र 10/06/1969	मंगल 04/08/1984	राहु 11/05/1992	गुरु 31/10/2001
चंद्र 13/12/1958	मंगल 10/08/1970	राहु 29/06/1985	गुरु 10/09/1993	शनि 10/12/2002
मंगल 11/05/1959	राहु 10/08/1973	गुरु 17/04/1986	शनि 11/04/1995	बुध 07/12/2003
राहु 29/05/1960	गुरु 10/04/1976	शनि 30/03/1987	बुध 09/09/1996	केतु 05/05/2004
गुरु 05/05/1961	शनि 11/06/1979	बुध 03/02/1988	केतु 10/04/1997	शुक्र 05/07/2005
शनि 14/06/1962	बुध 11/04/1982	केतु 10/06/1988	शुक्र 10/12/1998	सूर्य 10/11/2005
बुध 11/06/1963	केतु 11/06/1983	शुक्र 10/06/1989	सूर्य 11/06/1999	चंद्र 11/06/2006

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
11/06/2006	**10/06/2024**	**10/06/2040**	**11/06/2059**	**10/06/2076**
10/06/2024	**10/06/2040**	**11/06/2059**	**10/06/2076**	**00/00/0000**
राहु 21/02/2009	गुरु 29/07/2026	शनि 14/06/2043	बुध 06/11/2061	केतु 06/11/2076
गुरु 17/07/2011	शनि 09/02/2029	बुध 21/02/2046	केतु 04/11/2062	शुक्र 20/07/2077
शनि 23/05/2014	बुध 17/05/2031	केतु 02/04/2047	शुक्र 04/09/2065	00/00/0000
बुध 10/12/2016	केतु 22/04/2032	शुक्र 01/06/2050	सूर्य 11/07/2066	00/00/0000
केतु 28/12/2017	शुक्र 22/12/2034	सूर्य 14/05/2051	चंद्र 10/12/2067	00/00/0000
शुक्र 28/12/2020	सूर्य 11/10/2035	चंद्र 13/12/2052	मंगल 07/12/2068	00/00/0000
सूर्य 22/11/2021	चंद्र 09/02/2037	मंगल 22/01/2054	राहु 26/06/2071	00/00/0000
चंद्र 24/05/2023	मंगल 15/01/2038	राहु 28/11/2056	गुरु 01/10/2073	00/00/0000
मंगल 10/06/2024	राहु 10/06/2040	गुरु 11/06/2059	शनि 10/06/2076	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।